● पढ़ो, समझो और गाओ :

८. हम चलते सीना तान के

-डॉ. हरिवंशराय बच्चन

जन्म : २७ नवंबर १९०७, इलाहाबाद (उ.प्र.) **मृत्यु :** १८ जनवरी २००३ **रचनाएँ :** मधुशाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, दस द्वार से सोपान तक, नीड़ का निर्माण फिर आदि । **परिचय :** बच्चन जी हिंदी कविता में उत्तर छायावाद के प्रमुख कवि हैं ।

प्रस्तुत रचना के माध्यम से कवि ने समता, बंधुता, श्रम एवं देशप्रेम की भावना के महत्त्व को प्रतिपादित किया है ।

खोजबीन

भारत के सभी राज्यों की प्रमुख भाषाओं के नाम बताओ । उनसे संबंधित अधिक जानकारी पढ़ो ।

- पुस्तकालय से
- अंतरजाल से

धर्म अलग हों, जाति अलग हों, वर्ण अलग हों, भाषाएँ,
पर्वत, सागर तट, वन-मरुस्थल, मैदानों से हम आएँ,
फौजी वर्दी में हम सबसे पहले हिंदुस्तान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

हिंदुस्तान कि जिसकी मिट्टी में हम खेले, खाए हैं,
जिसकी रजकण हमको ममता, समता से अपनाए हैं,
कर्ज चुकाने हैं हमको उन रजकण के एहसान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

जिसकी पूजा में सदियों से श्रम के फूल चढ़ाए हैं,
जिसकी रक्षा में पुरखों ने अगणित शीश कटाए हैं,
हम रखवाले-पौरुषवाले उसके गौरव मान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

❑ उचित हाव-भाव के साथ कविता का सामूहिक, साभिनय पाठ करवाएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से कविता के भाव स्पष्ट करें । किसी सैनिक/ महत्वपूर्ण व्यक्ति का साक्षात्कार लेने के लिए प्रोत्साहित करें । अन्य प्रयाणगीत/अभियान गीतों का संग्रह करवाएँ ।

सुनो तो जरा

किसी शहीद और उसके परिवार के बारे में सुनो : मुद्दे – जन्म तिथि, गाँव, शिक्षा, घटना ।

हम गिर जाएँ किंतु न गिरने देंगे देश निशान को,
हम मिट जाएँ किंतु न मिटने देंगे हिंदुस्तान को,
हम सबसे आगे रहते अवसर पर बलिदान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

जो वीरत्व-विवेक समर में हम सैनिक दिखलाएँगे,
उसकी गाथाएँ भारत के गाँव, नगर, घर गाएँगे,
अनगिन कंठों में गूँजेंगे बोल हमारे गान के ।
भारतमाता के बेटे हम चलते सीना तान के ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द
मरुस्थल = रेगिस्तान
रजकण = धूलिकण
एहसान = उपकार
पुरखे = पूर्वज
समर = युद्ध
मुहावरा
सीना तानकर चलना = गर्व से चलना

मेरी कलम से

शालेय प्रतिज्ञा का श्रुतलेखन करो और प्रतिज्ञा के मूल्यों का अपने व्यवहारों से सत्यापन करो ।

विचार मंथन

।। हम सब एक हैं ।।

अध्ययन कौशल

अब तक पढ़े हुए मुहावरों-कहावतों का वर्णक्रमानुसार संग्रह बनाओ और चर्चा करो ।

जरा सोचो ...... लिखो

यदि तुम सैनिक होते तो ......

L5D3T1

सदैव ध्यान में रखो

मानव सेवा ही सच्ची सेवा है ।

१. निम्न पंक्तियों का अर्थ लिखो :

(क) हिंदुस्तान -------------------- तान के ।

(ख) जो वीरत्व -------------------- तान के ।

२. देशप्रेम वाली चार पंक्तियों की कविता लिखो ।

३. इस कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में स्पष्ट करो ।

४. अपने देश के राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम बताओ ।

भाषा की ओर

अर्थ के आधार पर वाक्य पढ़ो, समझो और उचित स्थान पर लिखो :

१. बच्चे हँसते-हँसते खेल रहे थे ।

२. माला घर नहीं जाएगी ।

३. इसे हिमालय क्यों कहते हैं ?

४. सदैव सत्य के पथ पर चलो ।

५. वाह ! क्या बनावट है ताजमहल की !

६. कश्मीर का सौंदर्य देखकर तुम्हें आश्चर्य होगा ।

७. खूब पढ़ो खूब बढ़ो ।

८. यदि बिजली आएगी तो रोशनी होगी ।

विधानार्थक वाक्य ____________ ____________

निषेधार्थक वाक्य ____________ ____________

प्रश्नार्थक वाक्य ____________ ____________

आज्ञार्थक वाक्य ____________ ____________

विस्मयार्थक वाक्य ----------------

इच्छार्थक वाक्य ----------------

संकेतार्थक वाक्य ----------------

संभावनार्थक वाक्य ----------------

पहले वाक्य में क्रिया के करने या होने की सामान्य सूचना मिलती है । अतः यह वाक्य **विधानार्थक वाक्य** है । दूसरे वाक्य में आने का अभाव सूचित होता है क्योंकि इसमें **नहीं** का प्रयोग हुआ है । अतः यह **निषेधार्थक वाक्य** है । तीसरे वाक्य में प्रश्न पूछने का बोध होता है । इसके लिए **क्यों** का प्रयोग हुआ है । अतः यह **प्रश्नार्थक वाक्य** है । चौथे वाक्य में आदेश दिया है । इसके लिए **चलो** शब्द का प्रयोग हुआ है । अतः यह **आज्ञार्थक वाक्य** है । पाँचवें वाक्य में विस्मय-आश्चर्य का भाव प्रकट हुआ है । इसके लिए **वाह** शब्द का प्रयोग हुआ है । अतः यह **विस्मयार्थक वाक्य** है । छठे वाक्य में संदेह या संभावना व्यक्त की गई है । इसके लिए **होगा** शब्द का प्रयोग हुआ है । अतः यह **संभावनार्थक वाक्य** है । सातवें वाक्य में इच्छा या आशीर्वाद व्यक्त किया गया है । इसके लिए **खूब पढ़ो, खूब बढ़ो** का प्रयोग हुआ है । अतः यह **इच्छार्थक वाक्य** है । आठवें वाक्य में एक क्रिया का दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध होता है । इसके लिए यदि, तो शब्दों का प्रयोग हुआ है । अतः यह **संकेतार्थक वाक्य** है ।